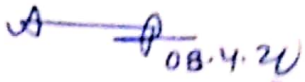


08/4/24

पत्रावली पेश। वकील उभय पक्ष हाजिर। वकील उभय पक्ष बहस सुनी जायी। वकील प्रार्थी ने अपनी बहस में बताया कि ग्राम कांवरखेड़ा में आ० न० 230, 231 व 232 प्रार्थी के खातेदारी व कूजे काशत की हैं। प्रार्थी की आराजियात के पास ही अप्रार्थी की आ० न० 265 स्थित है। हाल ही में सेटलमेन्ट कर्मचारियों ने साबिक नक्शा अनुसार रेखांकित नहीं कर प्रार्थी की आराजी के इतरी दिशा की तरफ आम रोड व प्रार्थी की आराजी के बीच में अप्रार्थी की आ० न० 265 की जमीन को रेखांकित कर दिया जो गलत है। जबकि प्रार्थी की आराजी आम रोड से लगाकर चोहर बाई लगी हुई है। नक्शा ट्रेस में सेटलमेन्ट कर्मचारियों ने गलत कन्डाज कर दिया है। प्रार्थी ने शर्चना-पत्र में दस्तावेजात के रूप में नकल जमावंडी फोटो प्रति खाता संख्या-130, नकल जमावंडी खाता संख्या-34, नकल नक्शा ट्रेस हाल, नकल नक्शा ट्रेस साबिक व नकल मिलान शीट पेश की। वकील अप्रार्थी ने जवाब को ही बहस मानने का निवेदन किया।

हमने वकील उभय पक्ष की बहस एवं पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजात का अवलोकन व मनन किया। अस्थायी निवेदाता के तीनों बिन्दु प्रथम दृष्टया मामला, सुविधा का संतुलन व अपूर्णता प्रति प्रार्थी के पक्ष में सिद्ध होती है। अतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थी का शर्चना-पत्र अंतर्गत धारा-212 राजस्थान काशतकारी अधिनियम 1955 का स्वीकार योग्य होने के कारण स्वीकार



<p>तारीख हुक्म</p>	<p>हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज</p>
	<p>बिग्या जाता है तथा दिनांक 04.09.2012 को मीरा बानरखेडा तहसील भूपालसागर में स्थित वायुमल प्रारजियात भा० नं 230, 232, 232 के समीप स्थित भा० नं 265 रकबा 0.55 हेक्टेयर की राजस्व रेड की मघास्थिति बाबत जारी अस्थायी निवेद्याता को मूल वाद के निस्तारण तक कन्फर्म बिग्या जाता है। मघाधी वादग्रस्त माराजी के रेड की मघास्थिति बनाये रखे। यत्रावली फैसल भुगार होकर नम्बर से कम होकर दाखिल दफ्तर है। निर्णय आज दिनांक 08.4.2021 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।</p> <p style="text-align: right;">             08.4.21            सहायक कलेक्टर एवं            उपखण्ड अधिवक्ता (भूपालसागर            जिला-विष्ट (म.प्र.))         </p>